उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

दीन दयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस

राष्ट्रीय संगोाष्ठी सह व्याख्यान

विषय.. दीन दयाल उपाध्याय जी का अन्त्योदय एवम राष्ट्रोन्नयन

दिनांक : 12 फरवरी –2024

प्रतिवेदन

दीन दयाल उपाध्याय शोधपीठ

निदेशक : प्रो0डॉ. संजय कुमार सिंह

उपनिदेशक : डॉ. दिनेश सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में

पं.दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, सह-व्याख्यान

विषय - पं.दीनदयाल उपाध्याय जी का अन्त्योदय एवं राष्ट्रोन्नयन

दिनांक - 12 फरवरी, 2024

आयोजन सचिव	संयोजक	मुख्य अतिथि एवं वक्ता	संरक्षक एवं कार्यक्रम अध्यक्ष
डॉ. दिनेश सिंह	डॉ. संजय कुमार सिंह	श्री आशीष भैया जी	प्रोफेसर सीमा सिंह
उप निदेशक	निदेशक	अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार	मा. कुलपति
पं. दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ	पं.दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ		उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

आयोजक - पं.दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

स्वाध्याय, स्वमंथन, स्वावलम्बन

दिव्य प्रेम सेवा मिशन

पं.दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, सह-व्याख्यान

प्रोफेसर सीमा सिंह

माननीया कुलपति

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय ,प्रयागराज

सुस्वागतम्

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

स्वाध्याय, स्वमंथन, स्वावलम्बन

पं. दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, सह-व्याख्यान

परम श्रद्धेय श्री आशीष भैया जी

अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार

सुस्वागतम्

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

पंजीकरण-प्रपत्र

पं0 दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस

राष्ट्रीय संगोष्ठी सह-व्याख्यान

दिनांक-12 फरवरी, 2024

समय- अपराह्न 01:00 बजे

नाम...

पद नाम...

संस्था का नाम व पता...

....

....

मोबाइल नंबर..

ई-मेल...

शोधपत्र का शीर्षक..

....

....

सह लेखकों के नाम (यदि कोई हो)..

हस्ताक्षर

पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस

राष्ट्रीय संगोष्ठी सह-व्याख्यान

दिनांक-12 फरवरी, 2024

समय- अपराह्न 01:00 बजे

आयोजन स्थल

तिलक शास्त्रार्थ सभागार, सरस्वती परिसर

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

शांतिपुरम (सेक्टर-एफ), फाफामऊ, प्रयागराज - 211021

सेवा में, ______________________

____

____

संरक्षक एवं कार्यक्रम अध्यक्ष

प्रोफेसर सीमा सिंह

मा. कुलपति

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुख्य अतिथि एवं वक्ता

श्री आशीष भैया जी

अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार

संयोजक

डॉ. संजय कुमार सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

आयोजन सचिव

डॉ. दिनेश सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

आयोजक

पं0 दीनदयाल उपाध्याय अनुसंधान पीठ

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,

प्रयागराज, उत्तर प्रदेश - 211021

पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस

राष्ट्रीय संगोष्ठी सह व्याख्यान

दिनांक-12 फरवरी, 2024

समय- अपराह्न 01:00 बजे

संरक्षक

प्रोफेसर सीमा सिंह

माननीय कुलपति

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुख्य अतिथि

श्रद्धेय श्री आशीष भैया जी

अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार

संयोजक

डॉ. संजय कुमार सिंह

निदेशक, पं0 दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

आयोजन सचिव

डॉ. दिनेश सिंह

उप निदेशक, पं0 दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

आयोजन स्थल

तिलक शास्त्रार्थ सभागार, सरस्वती परिसर

उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

प्रयागराज

सेक्टर -एफ , शन्तिपुरम, फाफामऊ, प्रयागराज

www.uprtou.ac.in

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना उत्तर प्रदेश विश्वविद्यालय अधिनियम संख्या 10 के द्वारा सन् 1999 में हुई। विगत 21 वर्षों से विश्वविद्यालय अनवरत रूप से समाज के शिक्षा से वंचित जनसमुदाय, महिलाओं, सेवारत व्यक्तियों तथा दूरदराज क्षेत्रवासियों तक उच्च शिक्षा की ज्योति का प्रकाश पहुँचाकर आम जनमानस में आशा एवं नवोत्साह का संचार कर रहा है। छात्र जहाँ, हम वहाँ, सबको शिक्षा सबको ज्ञान, सबका साथ सबका विकास, गुरुकुल से छात्र कुल के मंत्र को अपनी कार्यशैली में आत्मसात करते हुए उत्तर प्रदेश का एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय अपने 124 शैक्षणिक कार्यक्रमों, 1400 से अधिक अध्ययन केंद्र तथा 12 क्षेत्रीय केंद्रों के माध्यम से रोजगारपरक एवं गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा का प्रदेशव्यापी प्रचार-प्रसार में अनवरत प्रगति पथ पर अग्रसर है। प्रदेश व्यापी विभिन्न शैक्षणिक, प्रशासनिक गतिविधियों, कार्यक्रमों के सुगमतापूर्ण संचालन हेतु विश्वविद्यालय मुख्यालय प्रयागराज में गंगा, यमुना एवं सरस्वती प्रांगण की स्थापना की गई है। डिजिटल इंडिया मिशन की दिशा में विश्वविद्यालय निरंतर अग्रसर है अपने स्थापना काल से ही प्राचीन भारतीय परंपराओं के साथ समसामयिक नवीनतम कला-कौशल कलेवर से आच्छादित गुणवत्तापरक, रोजगारपरक, आत्मनिर्भरता की ओर उन्मुख उच्च शिक्षा प्रदान करके ऐसी युवा शक्तियों का निर्माण परिष्कार सम्बर्द्धन हेतु कृत संकल्पित है, जो भविष्य में विषमतामुक्त, भयमुक्त, भाई-भतीजावाद रहित, समता, ममता, समरसता युक्त प्रबुद्ध मानव समाज के प्रति दृढ़ समर्पित होकर एक नवीन सशक्त राष्ट्र का निर्माण करने में अपना श्रेष्ठतम समर्पण कर सके।

संगोष्ठी सह-व्याख्यान

आज प्राच्य जगत पश्चात्य जगत के मध्य में एक वैचारिक द्वन्द विद्यमान है विश्व के विकासशील राष्ट्र पाश्चात्य संस्कृति के अवयव भौतिकतावाद, पूँजीवाद, साम्यवाद के मकड़जाल में कराहते हुए एक वैकल्पिक मार्ग की खोज में है जहाँ पाश्चात्य विचारधारा से पोषित समाज मुक्त हो ऐसा कौन सा पथ है? यह पथ किस मूल अवधारणा पर आधारित हो? समाज का वैचारिक ताना-बाना एवं संरचना किन सिद्धांतों पर आधारित हो जहाँ समता, ममता, समरसता सम्पृक्त मानवता युक्त समाज हो, इसका एकमात्र विकल्प है तो वह भारतीय संस्कृति से उद्भूत एवं पं0 दीन दयाल उपाध्याय जी द्वारा विकसित एकात्म मानववाद की विचार- धारा है। यही एकमात्र विचारधारा है जिस पर अग्रसर होकर ''सर्वे भवन्तु सुखिनः'' एवं "वसुधैव कुटुंबकम्'' का लक्ष्य पाया जा सकता है। आज उदारीकरण, निजीकरण, भूमंडलीकरण के युग में पं0 दीन दयाल उपाध्याय की विचारधारा को आत्मसात किए बगैर मानव कल्याण की कल्पना कोरी है। पं0 दीन दयाल उपाध्याय जी बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने विकेंद्रीकरण का विकल्प, अंत्योदय और अर्थायाम की संकल्पना दिया। आपके व्यक्तित्व एवं कृतित्व का अनुकरण न केवल समुन्नत राष्ट्र एवं आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करेगा बल्कि वैश्विक स्तर पर शान्ति एवं विकास का पथ भी प्रशस्त होगा। आज समस्त विश्व एकात्म मानववाद तथा मानवीय मूल्यों आप द्वारा स्थापित विचार पर ही अग्रसर हो रहा है

अतः यह आवश्यक है कि भारतीय जनमानस को पं0 दीन दयाल उपाध्याय जी के जीवन के विभिन्न बहुआयामों से पूर्णतः अवगत कराया जाए, जिससे उनके व्यक्तित्व की विशिष्टताओं यथा अदम्य साहस, निर्भीकता एवं विपरीत परिस्थितियों में भी अभीष्ट समग्रता को प्राप्त करने की उत्कट इच्छा तथा पुरुषार्थ से जन समुदाय प्रेरणा ले सकें एवं अपने जीवन में भी उस को आत्मसात कर सके। यह शोध पीठ परम पुनीत उद्देश्य को लेकर राष्ट्र हित के विभिन्न आवश्यक उपादानों को अपना सहयोग देने का प्रयास करने हेतु कृत संकल्पित है। इसी मन्तव्य से उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, फाफामऊ, प्रयागराज में स्थापित पं0 दीन दयाल उपाध्याय शोध्पीठ के तत्वावधान में पूर्व दार्शनिक, आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक चिन्तक पं0 दीन दयाल उपाध्याय जी की पुण्य तिथि दिनांक 11 फरवरी 2024 के अवसर के उपलक्ष्य में दिनांक 12 फरवरी, 2024 पर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित राष्ट्रीय संगोष्ठी सह-व्याख्यान का आयोजन सुनिश्चित हुआ है। उक्त कार्यक्रम का आयोजन उक्त तिथि पर अपराह्न 01:00 से किया जाएगा।

पंजीकरण व पंजीकरण शुल्क-

इस कार्यक्रम में प्रतिभागिता हेतु पंजीकरण निःशुल्क है। समस्त प्रतिभागियों को पंजीकरण प्रारूप के माध्यम से पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। पंजीकरण कराने वाले प्रतिभागियों को ही प्रमाण पत्र प्रदान किया जायेगा।

आलेख/शोधपत्र

संगोष्ठी सह-व्याख्यान से सम्बन्धित मौलिक आलेख एवं शोध-पत्र आमन्त्रण की अंतिम तिथि 12 फरवरी 2024 है। हिन्दी में प्रपत्र के लिए Kuritdev 010 फॉण्ट साइज 14, लाईन स्पेसिंग 1.5 तथा अंग्रेजी में प्रपत्र के लिए Times New Roman, फाण्ट साइज 12, लाईन स्पेसिंग 1.5 में होना चाहिए। आलेख या शोध-पत्र अधिकतम 3000 शब्दों में होना चाहिए। गुणवत्ता की दृष्टि से चयनित आलेखों/शोध-पत्रों का प्रकाशन विश्वविद्यालय द्वारा ISBN सहित प्रोसीडिंग के रूप में किया जायेगा। आलेख/शोध पत्र ई-मेल के माध्यम से ही स्वीकार किये जायेंगे। प्रपत्र प्रेषित करने हेतु ई-मेल pdduspuprtou@gmail.com है।

सम्पर्क सूत्र

संगोष्ठी सह-व्याख्यान से सम्बन्धित जानकारी हेतु
ई-मेल : pdduspuprtou@gmail.com पर अथवा
डॉ. संजय कुमार सिंह (मो.नं.-7525048007)
डॉ. दिनेश सिंह (7525048013) पर सम्पर्क किया जा सकता है।

आयोजन स्थल

राष्ट्रीय संगोष्ठी सह व्याख्यान से सम्बन्धित कार्यक्रम विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर के शैक्षणिक भवन में अवस्थित तिलक शास्त्रार्थ सभागार में आयोजित होगा।

सलाहकार समिति

1. प्रो0 पी0 पी0 दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा
2. प्रो0 आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा
3. प्रो0 सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा
4. प्रो0 पी0 के0 स्टॉलिन, निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा
5. प्रो0 सन्तोषा कुमार, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा
6. कर्नल विनय कुमार, कुल सचिव
7. श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह, परीक्षा नियंत्रक
8. श्री शशिभूषण सिंह तोमर, वित्त अधिकारी

आयोजन समिति

- प्रो. पी.के. पाण्डेय
- प्रो. रुचि वाजपेयी
- प्रो. विनोद कुमार गुप्त
- डॉ. रामजनम मौर्या
- प्रो. श्रुति
- प्रो.जे.पी.यादव
- प्रो. अजेन्द्र मलिक
- डॉ. मीरा पाल
- डॉ0 आनन्दा नन्द त्रिपाठी
- डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव
- डॉ. देवेश रंजन त्रिपाठी
- डॉ. जी.के.द्विवेदी
- डॉ. सतीश चन्द्र जैसल
- डॉ. सुनील कुमार
- डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी
- डॉ0 साधना श्रीवास्तव
- डॉ.मनोज कुमार बलवन्त
- डॉ0 सी0के0 सिंह
- डॉ. सुरेन्द्र कुमार
- डॉ0 अभिषेक सिंह
- डॉ0 शिवेन्द्र प्रताप सिंह
- डॉ0 रवीन्द्र प्रताप सिंह
- डॉ. सुभाष पाल
- डॉ0 धर्मवीर सिंह
- डॉ0 दिनेश कुमार गुप्ता
- डॉ0 दीप शिखा श्रीवास्तव
- श्री अमित कुमार सिंह
- डॉ0 यू0एन0 तिवारी
- श्री परविन्द कुमार वर्मा
- डॉ0 स्मिता अग्रवाल
- डॉ0 अब्दुल रहमान
- श्री राजेश गौतम
- डॉ0 अमरेन्द्र यादव
- डॉ0 सुषमा चौहान

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
प्रयागराज
सेक्टर -एफ , शन्तिपुरम, फाफामऊ, प्रयागराज
www.uprtou.ac.in

News Letter

मुक्त चिन्तन

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1998 द्वारा स्थापित

दिनांक 12 फरवरी, 2024

दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए माननीय अतिथिगण

मुविवि में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस का आयोजन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का अंत्योदय एवं राष्ट्र उन्नयन विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी सह–व्याख्यान का आयोजन सोमवार दिनांक 12 फरवरी, 2024 को मुक्त विश्वविद्यालय के तिलक सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरद्विार के अध्यक्ष, वक्ता डॉ0 आशीष गौतम, जी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने की।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए आयोजन सचिव एवं उप निदेशक, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ, डॉ0 दिनेश सिंह

कार्यक्रम सरस्वती वन्दना प्रस्तुत करते हुए असिस्टेन्ट प्रोफेसर (संविदा) डॉ0 अनिकेत सिंह

इसके पूर्व सहायक आचार्य निकेत सिंह ने स्वागत गीत तथा कार्यक्रम के संयोजक डॉ संजय कुमार सिंह, निदेशक पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने विषय प्रवर्तन एवम वाचिक स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिनेश कुमार सिंह, आयोजन सचिव एवम उप निदेशक, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कर्नल विनय कुमार, कुलसचिव ने किया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ कुलगीत तथा मां सरस्वती एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन करके किया गया। समापन राष्ट्रगान से किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, शोध छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय कुलगीत की प्रस्तुती

अतिथि स्वागत

माननीय अतिथिगणों को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करती हुई विश्वविद्यालय की शिक्षिकायें

विषय प्रवर्तन
एवं
वाचिक स्वागत करते हुए कार्यक्रम
के संयोजक
डॉ संजय कुमार सिंह
निदेशक पंडित दीनदयाल उपाध्याय
शोध पीठ

अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति की सेवा से होगा अंत्योदय का सपना साकार : आशीष गौतम

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवम मुख्य वक्ता डॉ आशीष गौतम, अध्यक्ष , दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय का सपना तभी साकार होगा जब समाज में सबसे निचले एवं अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति का सम्मान होगा। उन्होंने बताया कि दिव्य प्रेम सेवा मिशन विगत 27 वर्षों से कुष्ठ रोगियों की सेवा के उद्देश्य से कार्य कर रहा है। कुष्ठ रोगी समाज के अंतिम पायदान पर हैं।

डॉ गौतम ने कहा कि सभी के जीवन मे दैहिक,दैविक और भौतिक ताप होता है। हुनर युक्त लोग ही इस त्रिताप को दूर करके समाज की भलाई में अपना योगदान दे सकते हैं। डॉ गौतम ने कहा कि पंडित उपाध्याय जी मानते थे कि मनुष्य भौतिक प्राणी से परे है। उसे पेट के लिए आहार, हृदय के लिए प्यार और मस्तिष्क के लिए विचार चाहिए। क्योंकि मनुष्य अपने होने की स्वीकृति चाहता है। उनका मानना था कि शरीर, मन, बुद्धि, आत्मा की पूर्णता सम्मान, प्रेम, विचार और परमात्मा से होगी।

अतिथि स्वागत

माननीय अतिथिगणों को अंगवस्त्र एवं फल भेंट कर उनका सम्मान करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

पण्डित दीन दयाल उपाध्याय के अंत्योदय एवं एकात्म मानववाद को अपने जीवन में उतारें : कुलपति

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि पण्डित दीन दयाल उपाध्याय के अंत्योदय एवं एकात्म मानववाद को अपने जीवन में उतारें । पंडित उपाध्याय ने हमेशा कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने की भी बात कही। वर्तमान सरकार उसी का अनुसरण कर रही है और स्वावलंबन के लिए कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दे रही है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि पंडित दीनदयाल अत्यंत सादगी पसंद थे। उनके आदर्शो पर हम चलें, यही उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी ।

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कुलसचिव कर्नल विनय कुमार

राष्ट्रगान

पंजीकरण-प्रपत्र

पं० दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस

राष्ट्रीय संगोष्ठी सह-व्याख्यान

दिनांक- 12 फरवरी, 2024

समय- अपराह्न 01:00 बजे

नाम...

पद नाम...

संस्था का नाम व पता...

....

....

मोबाइल नंबर...

ई-मेल...

शोधपत्र का शीर्षक...

....

....

सह लेखकों के नाम (यदि कोई हो)...

हस्ताक्षर

पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस

राष्ट्रीय संगोष्ठी सह-व्याख्यान

दिनांक- 12 फरवरी, 2024

समय- अपराह्न 01:00 बजे

आयोजन स्थल

तिलक शास्त्रार्थ सभागार, सरस्वती परिसर

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

शान्तिपुरम (सेक्टर-एफ), फाफामऊ, प्रयागराज - 211021

सेवा में,

____

____

____

संरक्षक एवं कार्यक्रम अध्यक्ष

प्रोफेसर सीमा सिंह

मा. कुलपति

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुख्य अतिथि एवं वक्ता

श्री आशीष भैया जी

अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार

संयोजक

डॉ. संजय कुमार सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

आयोजन सचिव

डॉ. दिनेश सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

आयोजक

पं० दीनदयाल उपाध्याय अनुसंधान पीठ

एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन हरिद्वार

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश- 211021

पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस

राष्ट्रीय संगोष्ठी सह व्याख्यान

दिनांक- 12 फरवरी, 2024

समय- अपराह्न 01:00 बजे

संरक्षक

प्रोफेसर सीमा सिंह

माननीय कुलपति

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुख्य अतिथि

श्रद्धेय श्री आशीष भैया जी

अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार

संयोजक

डॉ. संजय कुमार सिंह

निदेशक, पं० दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

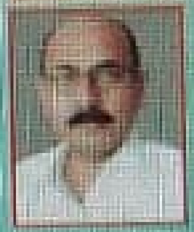

आयोजन सचिव

डॉ. दिनेश सिंह

उप निदेशक, पं० दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

आयोजन स्थल

तिलक शास्त्रार्थ सभागार, सरस्वती परिसर

उ० प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

आयोजक

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार

सेक्टर-एफ, शान्तिपुरम, फाफामऊ, प्रयागराज

www.uprtou.ac.in

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना उत्तर प्रदेश विश्वविद्यालय अधिनियम संख्या 10 के द्वारा सन् 1999 में हुई। विगत 25 वर्षों से विश्वविद्यालय अनवरत रूप से समाज के शिक्षा से वंचित जनसमुदाय, महिलाओं, सेवारत व्यक्तियों तथा दूरदराज क्षेत्रवासियों तक उच्च शिक्षा की ज्योति का प्रकाश पहुँचाकर आम जनमानस में आशा एवं नवोत्साह का संचार कर रहा है। छात्र जहाँ, हम वहाँ, सबको शिक्षा सबको ज्ञान, सबका साथ सबका विकास, गुरुकुल से छात्र कुल के मंत्र को अपनी कार्यशैली में आत्मसात करते हुए उत्तर प्रदेश का एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय अपने 124 शैक्षणिक कार्यक्रमों, 1400 से अधिक अध्ययन केंद्र तथा 12 क्षेत्रीय केंद्रों के माध्यम से रोजगारपरक एवं गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा का प्रदेशव्यापी प्रचार-प्रसार में अनवरत प्रगति पथ पर अग्रसर है। प्रदेश व्यापी विभिन्न शैक्षणिक, प्रशासनिक गतिविधियों, कार्यक्रमों के सुगमतापूर्ण संचालन हेतु विश्वविद्यालय मुख्यालय प्रयागराज में गंगा, यमुना एवं सरस्वती प्रांगण की स्थापना की गई है। डिजिटल इंडिया मिशन की दिशा में विश्वविद्यालय निरंतर अग्रसर है अपने स्थापना काल से ही प्राचीन भारतीय परंपराओं के साथ समसामयिक नवीनतम कला-कौशल कलेवर से आच्छादित गुणवत्तापरक, रोजगारपरक, आत्मनिर्भरता की ओर उन्मुख उच्च शिक्षा प्रदान करके ऐसी युवा शक्तियों का निर्माण परिष्कार सम्वर्द्धन हेतु कृत संकल्पित है, जो भविष्य में विषमतामुक्त, भयमुक्त, भाई-भतीजावाद रहित, समता, ममता, समरसता युक्त प्रबुद्ध मानव समाज के प्रति दृढ़ समर्पित होकर एक नवीन सशक्त राष्ट्र का निर्माण करने में अपना श्रेष्ठतम समर्पण कर सके।

संगोष्ठी सह-व्याख्यान

आज प्राच्य जगत पश्चात्य जगत के मध्य में एक वैचारिक द्वन्द विद्यमान है विश्व के विकासशील राष्ट्र पाश्चात्य संस्कृति के अवयव भौतिकतावाद, पूँजीवाद, साम्यवाद के मकड़जाल में कराहते हुए एक वैकल्पिक मार्ग की खोज में है जहाँ प्राश्चात्य विचारधारा से पोषित समाज मुक्त हो ऐसा कौन सा पथ है? वह पथ किस मूल अवधारणा पर आधारित हो? समाज का वैचारिक ताना-बाना एवं संरचना किन सिद्धांतों पर आधारित हो जहाँ समता, ममता, समरसता सम्पृक्त मानवता युक्त समाज हो, इसका एकमात्र विकल्प है तो वह भारतीय संस्कृति से उद्भूत एवं पं० दीन दयाल उपाध्याय जी द्वारा विकसित एकात्म मानववाद की विचार- धारा है। यही एकमात्र विचारधारा है जिस पर अग्रसर होकर "सर्वे भवन्तु सुखिनः" एवं "वसुधैव कुटुंबकम" का लक्ष्य पाया जा सकता है। आज उदारीकरण, निजीकरण, भूमंडलीकरण के युग में पं० दीन दयाल उपाध्याय की विचारधारा को आत्मसात किए बगैर मानव कल्याण की कल्पना कोरी है। पं० दीन दयाल उपाध्याय जी बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने विकेंद्रीकरण का विकल्प, अंत्योदय और अर्थायाम की संकल्पना दिया। आपके व्यक्तित्व एवं कृतित्व का अनुकरण न केवल समुन्नत राष्ट्र एवं आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करेगा बल्कि वैश्विक स्तर पर शान्ति एवं विकास का पथ भी प्रशस्त होगा। आज समस्त विश्व एकात्म मानववाद तथा मानवीय मूल्यों आप द्वारा स्थापित विचार पर ही अग्रसर हो रहा है

अतः यह आवश्यक है कि भारतीय जनमानस को पं० दीन दयाल उपाध्याय जी के जीवन के विभिन्न बहुआयामों से पूर्णतः अवगत कराया जाए, जिससे उनके व्यक्तित्व की विशिष्टताओं यथा अदम्य साहस, निर्भीकता एवं विपरीत परिस्थितियों में भी अभीष्ट समग्रता को प्राप्त करने की उत्कट इच्छा तथा पुरुषार्थ से जन समुदाय प्रेरणा ले सकें एवं अपने जीवन में भी उस को आत्मसात कर सके। यह शोध पीठ परम पुनीत उद्देश्य को लेकर राष्ट्र हित के विभिन्न आवश्यक उपादानों को अपना सहयोग देने का प्रयास करने हेतु कृत संकल्पित है। इसी मन्तव्य से उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में स्थापित पं० दीन दयाल उपाध्याय शोधपीठ एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में पूर्व दार्शनिक, आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक चिन्तक पं० दीन दयाल उपाध्याय जी की पुण्य तिथि दिनांक 11 फरवरी 2024 के अवसर के उपलक्ष्य में दिनांक 12 फरवरी, 2024 पर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित राष्ट्रीय संगोष्ठी सह-व्याख्यान का आयोजन सुनिश्चित हुआ है। उक्त कार्यक्रम का आयोजन उक्त तिथि पर अपराह्न 01:00 से किया जाएगा।

पंजीकरण व पंजीकरण शुल्क-

इस कार्यक्रम में प्रतिभागिता हेतु पंजीकरण निःशुल्क है। समस्त प्रतिभागियों को पंजीकरण प्रारूप के माध्यम से पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। पंजीकरण कराने वाले प्रतिभागियों को ही प्रमाण पत्र प्रदान किया जायेगा।

आलेख/शोधपत्र

संगोष्ठी सह-व्याख्यान से सम्बन्धित मौलिक आलेख एवं शोध-पत्र आमन्त्रण की अंतिम तिथि 12 फरवरी 2024 है। हिन्दी में प्रपत्र के लिए Kurtidev 010 फ्रॉण्ट साइज 14, लाईन स्पेसिंग 1.5 तथा अंग्रेजी में प्रपत्र के लिए Times New Roman, फ्रॉण्ट साइज 12, लाईन स्पेसिंग 1.5 में होना चाहिए। आलेख या शोध-पत्र अधिकतम 3000 शब्दों में होना चाहिए। गुणवत्ता की दृष्टि से चयनित आलेखों/शोध-पत्रों का प्रकाशन विश्वविद्यालय द्वारा ISBN सहित प्रोसीडिंग के रूप में किया जायेगा। आलेख/शोध पत्र ई-मेल के माध्यम से ही स्वीकार किये जायेंगे। प्रपत्र प्रेषित करने हेतु ई-मेल pdduspuprtou@gmail.com है।

सम्पर्क सूत्र

संगोष्ठी सह-व्याख्यान से सम्बन्धित जानकारी हेतु

ई-मेल : pdduspuprtou@gmail.com पर अथवा

डॉ. संजय कुमार सिंह (मो.नं.-7525048007)

डॉ. दिनेश सिंह (7525048013) पर सम्पर्क किया जा सकता है।

आयोजन स्थल

राष्ट्रीय संगोष्ठी सह व्याख्यान से सम्बन्धित कार्यक्रम विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर के शैक्षणिक भवन में अवस्थित तिलक शास्त्रार्थ सभागार में आयोजित होगा।

सलाहकार समिति

1. प्रो० पी० पी० दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा
2. प्रो० आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा
3. प्रो० सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा
4. प्रो० पी० के० स्टॉलिन, निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा
5. प्रो० सन्तोषा कुमार, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा
6. कर्नल विनय कुमार, कुलसचिव
7. श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह, परीक्षा नियंत्रक
8. श्री शशिभूषण सिंह तोमर, वित्त अधिकारी

आयोजन समिति

- प्रो. पी.के. पाण्डेय
- प्रो. रुचि वाजपेयी
- प्रो. विनोद कुमार गुप्त
- डॉ. रामजनम मौर्या
- प्रो. श्रुति
- प्रो.जे.पी.यादव
- प्रो. अजेन्द्र मलिक
- डॉ. मीरा पाल
- डॉ० आनन्दा नन्द त्रिपाठी
- डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव
- डॉ. देवेश रंजन त्रिपाठी
- डॉ. जी.के. द्विवेदी
- डॉ. सतीश चन्द जैसल
- डॉ. सुनील कुमार
- डॉ० त्रिविक्रम तिवारी
- डॉ० साधना श्रीवास्तव
- डॉ.मनोज कुमार बलवन्त
- डॉ० सी०के० सिंह
- डॉ. सुरेन्द कुमार
- डॉ० अभिषेक सिंह
- डॉ० शिवेन्द्र प्रताप सिंह
- डॉ० रवीन्द्र प्रताप सिंह
- डॉ. सुभाष पाल
- डॉ० धर्मवीर सिंह
- डॉ० दिनेश कुमार गुप्ता
- डॉ० दीप शिखा श्रीवास्तव
- श्री अमित कुमार सिंह
- डॉ० यू०एन० तिवारी
- श्री परविन्द कुमार वर्मा
- डॉ० स्मिता अग्रवाल
- डॉ० अब्दुल रहमान
- श्री राजेश गौतम
- डॉ० अमरेन्द यादव
- डॉ० सुषमा चौहान
- श्री राजेश सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
प्रयागराज
सेक्टर -एफ, शान्तिपुरम, फाफामऊ, प्रयागराज
www.uprtou.ac.in

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

पं.दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन समारोह

राष्ट्रीय संगोष्ठी-सह व्याख्यान

12 फरवरी, 2024

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि प्रो./डॉ./श्री./श्रीमती/कु. ....

..................................ने पं. दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के तत्त्वावधान में पं. दीनदयाल उपाध्याय पुण्य तिथि के उपलक्ष्य में दिनांक 12 फरवरी, 2024 को पं. दीनदयाल उपाध्याय का अन्त्योदय एवं राष्ट्रोन्नयन विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी सह-व्याख्यान में प्रतिभाग किया।

डॉ. संजय सिंह
निदेशक, पं0 दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ
संयोजक

प्रमाण-पत्र क्रमांक : ....

डॉ. दिनेश सिंह
उप-निदेशक, पं0 दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ
आयोजन सचिव

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

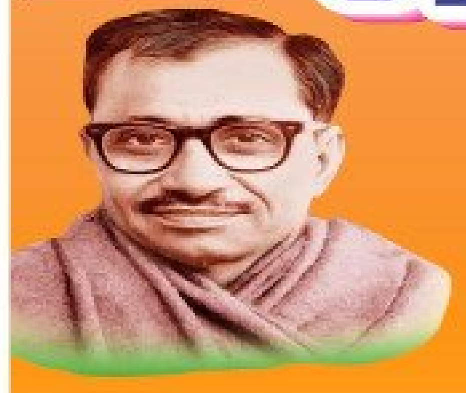

एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में

पं.दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, सह-व्याख्यान

विषय - पं.दीनदयाल उपाध्याय जी का अन्त्योदय एवं राष्ट्रोन्नयन

दिनांक - 12 फरवरी, 2024

आयोजन सचिव
डॉ. दिनेश सिंह
उप निदेशक
पं.दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ

संयोजक
डॉ. संजय कुमार सिंह
निदेशक
पं.दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ

मुख्य अतिथि एवं वक्ता
श्री आशीष भैया जी
अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार

संरक्षक एवं कार्यक्रम अध्यक्ष
प्रोफेसर सीमा सिंह
मा. कुलपति
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

आयोजक - पं.दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में

स्वाध्याय, स्वमंथन, स्वावलम्बन

पं. दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, सह-व्याख्यान

परम श्रद्धेय श्री आशीष भैया जी

अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार

सुस्वागतम्

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

स्वाध्याय, स्वमंथन, स्वावलम्बन

पं.दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, सह-व्याख्यान

प्रोफेसर सीमा सिंह

माननीया कुलपति

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय ,प्रयागराज

सुस्वागतम्

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में
पं. दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, सह-व्याख्यान
विषय - पं. दीनदयाल उपाध्याय जी का अन्त्योदय एवं राष्ट्रोन्नयन
दिनांक - 12 फरवरी, 2024
डॉ. दिनेश सिंह
संयोजक
डॉ. संजय कुमार सिंह
निदेशक
मुख्य अतिथि एवं वक्ता
श्री आशीष भैया जी
संरक्षक एवं कार्यक्रम अध्यक्ष
प्रोफेसर सीमा सिंह

प्रयागराज
एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में
GLOBUS

GPS Map Camera
Korsand, Uttar Pradesh, India
GVQ2+WVJ, Korsand, Phaphamau, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.538111°
Long 81.852824°
12/02/24 01:10 PM GMT +05:30
Google

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में
पं. दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, सह-व्याख्यान
डॉ. दिनेश सिंह
श्री आशीष भैया जी

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

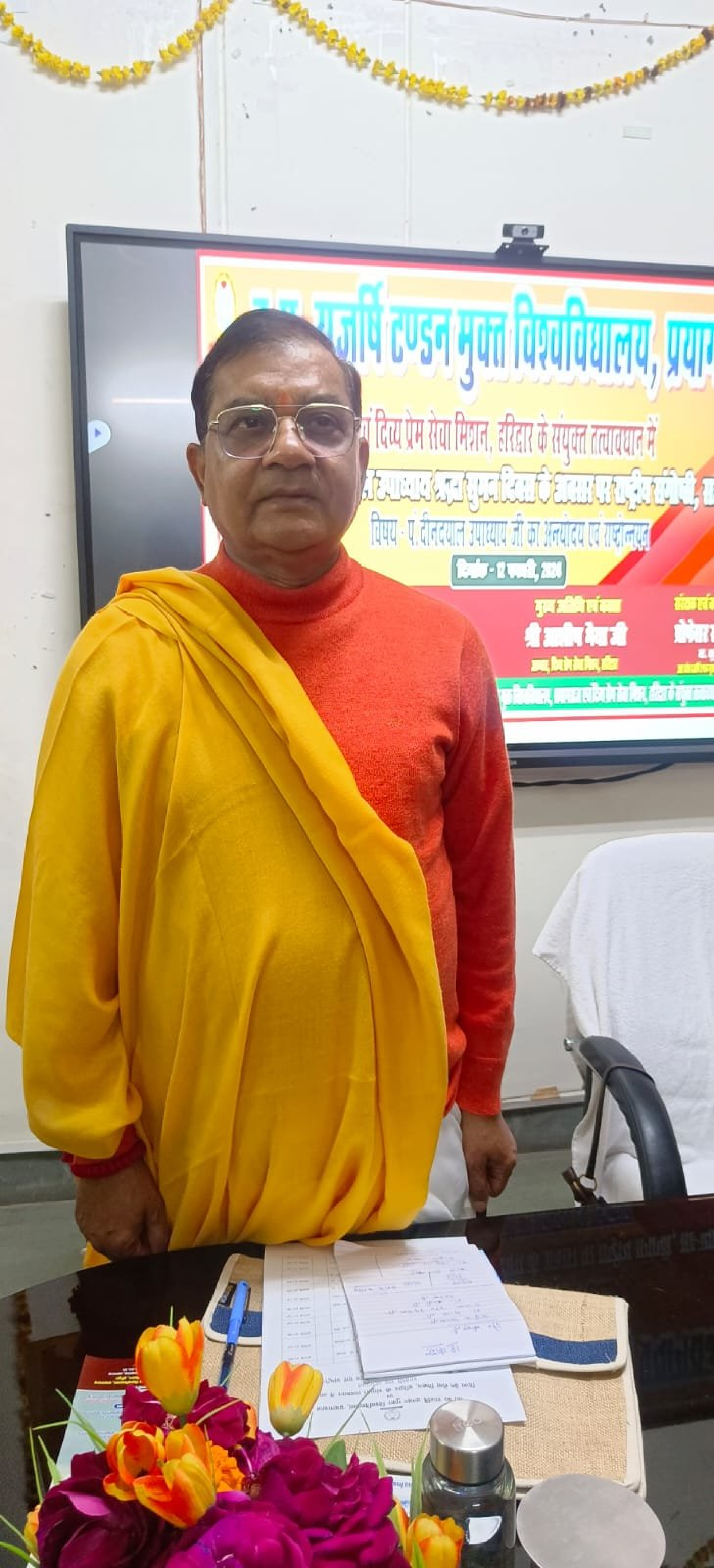
राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रया
दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में
विषय - पं. दीनदयाल उपाध्याय जी का अन्त्योदय एवं राष्ट्रोन्नयन

प्रोफेसर सीमा सिंह

एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त
पं.दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर
विषय - पं.दीनदयाल उपाध्याय जी का अन्त्योदय एवं
दिनांक - 12 फरवरी, 2024
संयोजक
कुमार सिंह
मुख्य अतिथि एवं वक्ता
श्री आशीष भैया जी
अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार
प्रयागराज एवं दिव्य प्रेम सेवा

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
GLOBUS

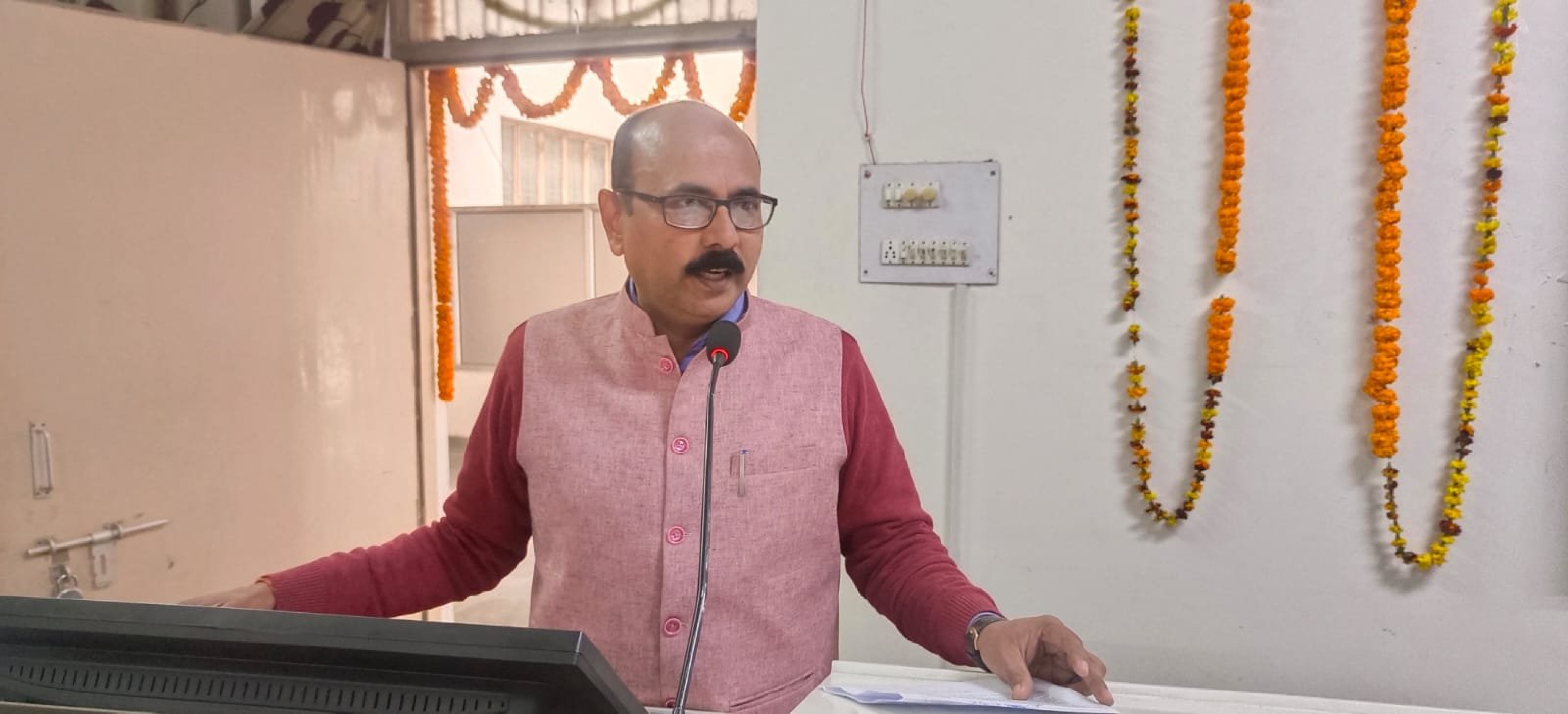

उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, सह-व्याख्यान
विषय - पं. दीनदयाल उपाध्याय जी का अन्त्योदय एवं राष्ट्रोन्नयन
दिनांक - 12 फरवरी, 2024
आयोजन सचिव
डॉ. दिनेश सिंह
उप निदेशक
पं. दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ
संयोजक
डॉ. संजय कुमार सिंह
निदेशक
पं. दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ
मुख्य अतिथि एवं वक्ता
श्री आशीष भैया जी
प्रोफेसर सीमा सिंह

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में
पं. दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, सह-व्याख्यान
विषय - पं. दीनदयाल उपाध्याय जी का अन्त्योदय एवं राष्ट्रोन्नयन
दिनांक - 12 फरवरी, 2024
डॉ. दिनेश सिंह
डॉ. संजय कुमार सिंह
मुख्य अतिथि एवं वक्ता
श्री आशीष भैया जी
प्रोफेसर सीमा सिंह
श्री आशीष भैया जी
प्रोफेसर सीमा सिंह

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में
पं.दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, सह-व्याख्यान
विषय - पं.दीनदयाल उपाध्याय जी का अन्त्योदय एवं राष्ट्रोन्नयन
दिनांक - 12 फरवरी, 2024
डॉ. दिनेश सिंह
डॉ. संजय कुमार सिंह
मुख्य अतिथि एवं वक्ता
श्री आशीष भैया जी
प्रोफेसर सीमा सिंह
BUS
श्री आशीष भैया जी
प्रोफेसर सीमा सिंह

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में
पं. दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, सह-व्याख्यान
विषय - पं. दीनदयाल उपाध्याय जी का अन्त्योदय एवं राष्ट्रोन्नयन
दिनांक - 12 फरवरी, 2024
डॉ. दिनेश सिंह
डॉ. संजय कुमार सिंह
श्री आशीष भैया जी
प्रोफेसर सीमा सिंह
श्री आशीष भैया जी
प्रोफेसर सीमा सिंह
कर्नल विनय कुमार

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में
पं.दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, सह-व्याख्यान
विषय - पं.दीनदयाल उपाध्याय जी का अन्त्योदय एवं राष्ट्रोन्नयन
दिनांक - 12 फरवरी, 2024
डॉ. दिनेश सिंह
डॉ. संजय कुमार सिंह
मुख्य अतिथि एवं वक्ता
श्री आशीष भैया जी
संरक्षक एवं कार्यक्रम अध्यक्ष
प्रोफेसर सीमा सिंह

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
GPS Map Camera
Korsand, Uttar Pradesh, India
GVQ2+WVJ, Korsand, Phaphamau, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.538103°
Long 81.852822°
12/02/24 01:22 PM GMT +05:30
Google

आयोजन सचिव
डॉ. दिनेश सिंह
उप निदेशक

एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में
उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी,
विषय - पं. दीनदयाल उपाध्याय जी का अन्त्योदय एवं राष्ट्रोन्नयन
दिनांक - 12 फरवरी, 2024
संयोजक
डॉ. संजय कुमार सिंह
निदेशक
मुख्य अतिथि एवं वक्ता

सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में
श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर
दीनदयाल उपाध्याय जी का अन्त्योदय एवं
दिनांक - 12 फरवरी, 2024
मुख्य अतिथि एवं वक्ता
सिंह

एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में
दिनांक - 12 फरवरी, 2024
डॉ. दिनेश सिंह
डॉ. संजय कुमार सिंह
श्री आशीष भैय्या जी
प्रोफेसर सीमा सिंह

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में
पं. दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, सह-व्याख्यान
डॉ. दिनेश सिंह
डॉ. संजय कुमार सिंह
श्री आशीष भैया जी
प्रोफेसर सीमा सिंह

डॉ. दिनेश सिंह

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में
डॉ. दिनेश सिंह
डॉ. संजय कुमार सिंह
श्री आशीष भैया जी
प्रोफेसर सीमा सिंह
GLOBUS

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में
पं. दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, सह-व्याख्यान

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
GLOBUS

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में
LOBUS
GPS Map Camera
Korsand, Uttar Pradesh, India
GVQ2+WVJ, Korsand, Phaphamau, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.538108°
Long 81.852824°
12/02/24 01:58 PM GMT +05:30
Google

DVI 1
640x480@60Hz

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
Search the web and Windows

उप निदेशक
प्रोफेसर सीमा सिंह
भैया जी

आयोजन सचिव
डॉ. दिनेश सिंह
उप निदेशक

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में
दिनांक - 12 फरवरी, 2024
डॉ. दिनेश सिंह
डॉ. संजय कुमार सिंह
श्री आशीष भैया जी

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में
डॉ. दिनेश सिंह
डॉ. संजय कुमार सिंह
श्री आशीष भैया जी
प्रोफेसर सीमा सिंह

एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में
दिनांक - 12 फरवरी, 2024

The City Standard

PRAYAGRAJ • VOL : 5 • ISSUE : 291 • TUESDAY, 13 FEBRUARY, 2024 • PAGE 08 • Rs. 5.00

Pandit Deendayal Upadhyay Shraddha Suman Day organized in University

CORRESPONDENT

Prayagraj: Under the joint aegis of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj and Divya Prem Seva Mission, Haridwar, on the occasion of Pandit Deendayal Upadhyay Shraddha Suman Day, a national seminar-cum-lecture on Pandit Deendayal Upadhyay Ji's Antyodaya and Nation Upliftment was organized at the Open University on Monday. Held in Tilak Auditorium.

Chief guest and key speaker of the program, Dr. Ashish Gautam, President, Divya Prem Seva Mission, Haridwar said that the dream of Pandit Deendayal Upadhyay's Antyodaya will be realized only when the person sitting at the lowest and last position in the society is respected. He told that Divya Prem Seva Mission has been working for the last 27 years with the aim of serving leprosy patients. Leprosy patients are on the last rung of the society.

Dr. Gautam said that there is physical, divine and physical heat in everyone's life. Only people with skills can overcome this dilemma and contribute to the welfare of the society. Dr. Gautam said that Pandit Upadhyay ji believed that man is beyond the physical being. He needs food for the stomach, love for the heart and thoughts for the brain. Because man wants acceptance of his existence. He believed that perfection of body, mind, intellect and soul would come through respect, love, thoughts and God.

Presiding over the program, Vice Chancellor Professor Seema Singh said that Pandit Deen Dayal Upadhyay's Antyodaya and Integral Humanism should be implemented in our lives. Pandit Upadhyay always talked about promoting cottage industries. The present government is following the same and promoting cottage industries for self-reliance. Professor Singh said that Pandit Deendayal loved simplicity. If we follow his ideals, this will be the true tribute to him.

Before this, Assistant Acharya Niket Singh presented the welcome song and program coordinator Dr. Sanjay Kumar Singh, Director Pandit Deendayal Upadhyay Research Chair introduced the topic and welcomed the students. The program was conducted by Dr. Dinesh Kumar Singh, Organizing Secretary and Deputy Director, Pandit Deendayal Upadhyay Research Chair and the vote of thanks was given by Colonel Vinay Kumar, Registrar.

The program started with Kulgeet and garlanding the statues of Maa Saraswati and Pandit Deendayal Upadhyay and lighting the lamp. It was concluded with the national anthem. Teachers, research students and students of the university were present on this occasion.

अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति की सेवा से होगा अंत्योदय का सपना साकार : डॉ आशीष गौतम

प्रयागराज। पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय एवं राष्ट्र उन्नयन विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में डॉ आशीष गौतम ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय का सपना तभी साकार होगा जब समाज में सबसे निचले एवं अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति का सम्मान होगा। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धासुमन दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी सह व्याख्यान का आयोजन सोमवार को मुक्त विश्वविद्यालय के तिलक सभागार में किया गया। मुख्य अतिथि दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के अध्यक्ष डॉ आशीष गौतम ने बताया कि दिव्य प्रेम सेवा मिशन विगत 27 वर्षों से कुष्ठ रोगियों की सेवा के उद्देश्य से कार्य कर रहा है। कुष्ठ रोगी समाज के अंतिम पायदान पर है। उन्होंने कहा कि सभी के जीवन मे दैहिक, दैविक और भौतिक ताप होता है। हुनर युक्त लोग ही इस त्रिताप को दूर करके समाज की भलाई में अपना योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल मानते थे कि मनुष्य भौतिक प्राणी से परे है। उसे पेट के लिए आहार, हृदय के लिए प्यार और मस्तिष्क के लिए विचार चाहिए। क्योंकि मनुष्य अपने होने की स्वीकृति चाहता है। उनका मानना था कि शरीर, मन, बुद्धि, आत्मा की पूर्णता सम्मान, प्रेम, विचार और परमात्मा से होगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि पण्डित दीनयाल उपाध्याय के अंत्योदय एवं एकात्म मानववाद को अपने जीवन में उतारें। पंडित दीनदयाल ने हमेशा कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने की भी बात कही। वर्तमान सरकार उसी का अनुसरण कर रही है और स्वावलम्बन के लिए कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल अत्यंत सादगी पसंद थे। उनके आदर्शों पर हम चलें, यही उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इसके पूर्व सहायक आचार्य निकेत सिंह ने स्वागत गीत तथा कार्यक्रम संयोजक डॉ संजय कुमार सिंह, निदेशक पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने विषय प्रवर्तन एवं वाचिक स्वागत किया। संचालन डॉ. दिनेश कुमार सिंह, आयोजन सचिव एवं उप निदेशक पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कर्नल विनय कुमार कुलसचिव ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, शोध छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति की सेवा से होगा अंत्योदय का सपना साकार: आशीष गौतम

मुविवि में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस का आयोजन

लक्ष्य समग्र

उत्तर प्रदेश - राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का अंत्योदय एवं राष्ट्र उन्नयन विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी सह- व्याख्यान का आयोजन सोमवार को मुक्त विश्वविद्यालय के तिलक सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवम मुख्य वक्ता डॉ आशीष गौतम, अध्यक्ष , दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय का सपना तभी साकार होगा जब समाज में सबसे निचले एवं अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति का सम्मान होगा। उन्होंने बताया कि दिव्य प्रेम सेवा मिशन विगत 27 वर्षों से कुष्ठ रोगियों की सेवा के उद्देश्य से कार्य कर रहा है। कुष्ठ रोगी समाज के अंतिम पायदान पर हैं। डॉ गौतम ने कहा कि सभी के जीवन मे दैहिक,दैविक और भौतिक ताप होता

है । हुनर युक्त लोग ही इस त्रिताप को दूर करके समाज की भलाई में अपना योगदान दे सकते हैं। डॉ गौतम ने कहा कि पंडित उपाध्याय जी मानते थे कि मनुष्य भौतिक प्राणी से परे है। उसे पेट के लिए आहार, हृदय के लिए प्यार और मस्तिष्क के लिए विचार चाहिए। क्योंकि मनुष्य अपने होने की स्वीकृति चाहता है। उनका मानना था कि शरीर, मन, बुद्धि, आत्मा की पूर्णता सम्मान, प्रेम, विचार और परमात्मा से होगी।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि पण्डित दीन दयाल उपाध्याय के अंत्योदय एवं एकात्म मानववाद को अपने जीवन में उतारें । पंडित उपाध्याय ने हमेशा कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने की भी बात कही। वर्तमान सरकार उसी का अनुसरण कर रही है और स्वावलंबन के लिए कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दे रही है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि पंडित दीनदयाल अत्यंत सादगी पसंद थे।उनके आदर्शो पर हम चलें, यही उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी ।इसके पूर्व सहायक आचार्य निकेत सिंह ने स्वागत गीत तथा कार्यक्रम के संयोजक डॉ संजय कुमार सिंह, निदेशक पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने विषय प्रवर्तन एवम वाचिक स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिनेश कुमार सिंह, आयोजन सचिव एवम उप निदेशक, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कर्नल विनय कुमार, कुलसचिव ने किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ कुलगीत तथा मां सरस्वती एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन करके किया गया। समापन राष्ट्रगान से किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, शोध छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

मुविवि में पं0 दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस का आयोजन

अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति की सेवा से होगा अंत्योदय का सपना साकारः आशीष गौतम

हरबात संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का अंत्योदय एवं राष्ट्र उन्नयन विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी सह- व्याख्यान का आयोजन सोमवार को मुक्त विश्वविद्यालय के तिलक सभागार में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवम मुख्य वक्ता डॉ आशीष गौतम, अध्यक्ष , दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय का सपना तभी साकार होगा जब समाज में सबसे निचले एवं अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति का सम्मान होगा। उन्होंने बताया कि दिव्य प्रेम सेवा मिशन विगत 27 वर्षों से कुष्ठ रोगियों की सेवा के उद्देश्य से कार्य कर रहा है। कुष्ठ रोगी समाज के अंतिम पायदान पर हैं। डॉ गौतम ने कहा कि सभी के जीवन मे दैहिक,दैविक और भौतिक ताप होता है । हुनर युक्त लोग ही इस त्रिताप को दूर करके समाज की भलाई में अपना योगदान

दे सकते हैं। डॉ गौतम ने कहा कि पंडित उपाध्याय जी मानते थे कि मनुष्य भौतिक प्राणी से परे है। उसे पेट के लिए आहार, हृदय के लिए प्यार और मस्तिष्क के लिए विचार चाहिए। क्योंकि मनुष्य अपने होने की स्वीकृति चाहता है। उनका मानना था कि शरीर, मन, बुद्धि, आत्मा की पूर्णता सम्मान, प्रेम, विचार और परमात्मा से होगी।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि पण्डित दीन दयाल उपाध्याय के अंत्योदय एवं एकात्म मानववाद को अपने जीवन में उतारें । पंडित उपाध्याय ने हमेशा कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने की भी बात कही। वर्तमान सरकार उसी का अनुसरण कर रही है और स्वावलंबन के लिए कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दे रही है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि पंडित दीनदयाल अत्यंत सादगी पसंद थे।उनके आदर्शो पर हम चलें, यही उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी ।

इसके पूर्व सहायक आचार्य निकेत सिंह ने स्वागत गीत तथा कार्यक्रम के संयोजक डॉ संजय कुमार सिंह, निदेशक पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने विषय प्रवर्तन एवम वाचिक स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिनेश कुमार सिंह, आयोजन सचिव एवम उप निदेशक, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कर्नल विनय कुमार, कुलसचिव ने किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ कुलगीत तथा मां सरस्वती एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन करके किया गया। समापन राष्ट्रगान से किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, शोध छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

राज एक्सप्रेस समाचार पत्र

अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति की सेवा से अंत्योदय का सपना होगा साकार: डॉ. आशीष गौतम

श्रद्धा सुमन दिवस

प्रयागराज, (ब्यूरो)। उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि, प्रयागराज एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का अंत्योदय एवं राष्ट्र उन्नयन विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी सह-व्याख्यान का आयोजन सोमवार को मुक्त विवि के तिलक सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवम मुख्य वक्ता डॉ आशीष गौतम, अध्यक्ष , दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय का सपना तभी साकार होगा जब समाज में सबसे निचले एवं अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति का सम्मान होगा। उन्होंने बताया कि दिव्य प्रेम सेवा मिशन विगत 27 वर्षों से कुष्ठ रोगियों की सेवा के उद्देश्य से कार्य कर रहा है। कुष्ठ रोगी समाज के अंतिम पायदान पर हैं। डॉ गौतम ने कहा कि सभी के जीवन मे दैहिक,दैविक और भौतिक ताप होता है। हुनर युक्त लोग ही इस त्रिताप को दूर करके समाज की भलाई में अपना योगदान दे सकते।

● वर्ष : 17
● अंक : 12
● प्रातः कालीन संस्करण
● लखनऊ
● बुधवार, 14 फरवरी 2024
● पृष्ठ : 08
● मूल्य : 3 रुपए
www.tijaratnews.com

तिजारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति की सेवा से होगा अंत्योदय का सपना साकार: आशीष गौतम

तिजारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय एवं राष्ट्र उन्नयन विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी सह- व्याख्यान का आयोजन सोमवार को मुक्त विश्वविद्यालय के तिलक सभागार में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवम मुख्य वक्ता डॉ आशीष गौतम, अध्यक्ष , दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय का सपना तभी साकार होगा जब समाज में सबसे निचले एवं अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति का सम्मान होगा। उन्होंने बताया कि दिव्य प्रेम सेवा मिशन विगत 27 वर्षों से कुष्ठ रोगियों की सेवा के उद्देश्य से कार्य कर रहा है। कुष्ठ रोगी समाज के अंतिम पायदान पर हैं। डॉ गौतम ने कहा कि सभी के जीवन मे दैहिक,दैविक और भौतिक ताप होता है । हुनर युक्त लोग ही इस त्रिताप को दूर करके समाज की भलाई में अपना योगदान दे सकते हैं।

डॉ गौतम ने कहा कि पंडित उपाध्याय जी मानते थे कि मनुष्य भौतिक प्राणी से परे है। उसे पेट के लिए आहार, हृदय के लिए प्यार और मस्तिष्क के लिए विचार चाहिए। क्योंकि मनुष्य अपने होने की स्वीकृति चाहता है। उनका मानना था कि शरीर, मन, बुद्धि, आत्मा की पूर्णता सम्मान, प्रेम, विचार और परमात्मा से होगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफ़ेसर सीमा सिंह ने कहा कि पण्डित दीन दयाल उपाध्याय के अंत्योदय एवं एकात्म मानववाद को अपने जीवन में उतारें।

अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति की सेवा से होगा अंत्योदय का सपना साकार : डॉ आशीष गौतम

मुविवि में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धासुमन दिवस का आयोजन

प्रयागराज, 12 फरवरी (हि.स.)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय एवं राष्ट्र उन्नयन विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में डॉ आशीष गौतम ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय का सपना तभी साकार होगा जब समाज में सबसे निचले एवं अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति का सम्मान होगा।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धासुमन दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी सह व्याख्यान का आयोजन सोमवार को मुक्त विश्वविद्यालय के तिलक सभागार में किया गया। मुख्य अतिथि दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के अध्यक्ष डॉ आशीष गौतम ने बताया कि दिव्य प्रेम सेवा मिशन विगत 27 वर्षों से कुष्ठ रोगियों की सेवा के उद्देश्य से कार्य कर रहा है। कुष्ठ रोगी समाज के अंतिम पायदान पर है।

उन्होंने कहा कि सभी के जीवन मे दैहिक, दैविक और भौतिक ताप होता है। हुनर युक्त लोग ही इस त्रिताप को दूर करके समाज की भलाई में अपना योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल मानते थे कि मनुष्य भौतिक प्राणी से परे है। उसे पेट के लिए आहार, हृदय के लिए प्यार और मस्तिष्क के लिए विचार चाहिए। क्योंकि मनुष्य अपने होने की स्वीकृति चाहता है। उनका मानना था कि शरीर, मन, बुद्धि, आत्मा की पूर्णता सम्मान, प्रेम, विचार और परमात्मा से होगी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि पण्डित दीनयाल उपाध्याय के अंत्योदय एवं एकात्म मानववाद को अपने जीवन में उतारें। पंडित दीनदयाल ने हमेशा कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने की भी बात कही। वर्तमान सरकार उसी का अनुसरण कर रही है और स्वावलम्बन के लिए कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल अत्यंत सादगी पसंद थे। उनके आदर्शों पर हम चलें, यही उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इसके पूर्व सहायक आचार्य निकेत सिंह ने स्वागत गीत तथा कार्यक्रम संयोजक डॉ संजय कुमार सिंह, निदेशक पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने विषय प्रवर्तन एवं वाचिक स्वागत किया। संचालन डॉ. दिनेश कुमार सिंह, आयोजन सचिव एवं उप निदेशक पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कर्नल विनय कुमार कुलसचिव ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, शोध छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

Antyodaya dream will come true by serving the person sitting at the last rank: Ashish Gautam

Staff Reporter

Prayagraj: Under the joint aegis of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj and Divya Prem Seva Mission,

Haridwar, on the occasion of 'Pandit Deendayal Upadhyay Shraddha Suman Day', a national seminar-cum-lecture on 'Pandit Deendayal Upadhyay Antyodaya and Nation Upliftment' was organized at the Open University on Monday.

Chief guest and key speaker of the program, Dr. Ashish Gautam, President, Divya Prem Seva Mission, Haridwar said that the dream of Pandit Deendayal Upadhyay Antyodaya will be realized only when the person sitting at the last position in the society is valued. He said that Divya Prem Seva Mission has been working for the last 27 years with the aim of serving leprosy patients. Leprosy patients are on the last rung of the society.

Dr. Gautam said that Pandit Upadhyay believed that man is beyond the physical being. He needs food for the stomach, love for the heart and thoughts for the brain because man wants acceptance of his existence. He believed that perfection of body, mind, intellect and soul would come through respect, love, thoughts and God. Presiding over the program, Open University Vice Chancellor Prof. Seema Singh said that Pt. Deen Dayal Upadhyay's Antyodaya and Integral Humanism should be implemented in our lives. Pt. Upadhyay always talked about promoting cottage industries. The present government is following the same and promoting cottage industries for self-reliance. Prof. Singh said that Pt. Deendayal loved simplicity. Following his ideals will be the true tribute to him, she added.

Assistant Acharya Niket Singh presented the welcome song and program coordinator Dr. Sanjay Kumar Singh, Director Pandit Deendayal Upadhyay Research Chair introduced the topic and welcomed the students. The program was conducted by Dr. Dinesh Kumar Singh, Organizing Secretary and Deputy Director, Pandit Deendayal Upadhyaya Research Chair and the vote of thanks was proposed by Colonel Vinay Kumar, Registrar.

मुविवि में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस आयोजित

स्वतंत्र भारत ब्यूरो प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय एवं राष्ट्र उनन्यन विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी सह- व्याख्यान का आयोजन सोमवार को मुक्त विश्वविद्यालय के तिलक सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता डॉ आशीष गौतम, अध्यक्ष , दिव्य प्रेम सेवा मिशन, ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय का सपना तभी साकार होगा जब समाज में सबसे निचले एवं अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति का सम्मान होगा। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि पण्डित दीन दयाल उपाध्याय के अंत्योदय एवं एकात्म मानववाद को अपने जीवन में उतारें। पंडित उपाध्याय ने हमेशा कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने की

भी बात कही। वर्तमान सरकार उसी का अनुसरण कर रही है और स्वावलंबन के लिए कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दे रही है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिनेश कुमार सिंह, आयोजन सचिव एवम उप निदेशक, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कर्नल विनय कुमार, कुलसचिव ने किया।

Antyodaya's dream will come true by serving the person sitting at the last rank: Ashish Gautam

Pandit Deendayal Upadhyay Shraddha Suman Day organized in University

JE CORRESPONDENT

PRAYAGRAJ: Under the joint aegis of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj and Divya Prem Seva Mission, Haridwar, on the occasion of Pandit Deendayal Upadhyay Shraddha Suman Day, a national seminar-cum-lecture on Pandit Deendayal Upadhyay Ji's Antyodaya and Nation Upliftment was organized at the Open University on Monday. Held in Tilak Auditorium.

Chief guest and key speaker of the program, Dr. Ashish Gautam, President, Divya Prem Seva Mission, Haridwar said that the dream of Pandit Deendayal Upadhyay's Antyodaya will be realized only when the person sitting at the lowest and last position in the society is respected. He told that Divya Prem Seva Mission has been working for the last 27 years with the aim of serving leprosy patients. Leprosy patients are on the last rung of the society.

Dr. Gautam said that there is physical, divine and physical heat in everyone's life. Only people with skills can overcome this dilemma and contribute to the welfare of the society. Dr. Gautam said that Pandit Upadhyay ji believed that man is beyond the physical being. He needs food for the stomach, love for the heart and thoughts for the brain. Because man wants acceptance of his existence. He believed that perfection of body, mind, intellect and soul would come through

respect, love, thoughts and God.

Dr. Gautam said that there is physical, divine and physical heat in everyone's life. Only people with skills can overcome this dilemma and contribute to the welfare of the society. Dr. Gautam said that Pandit Upadhyay ji believed that man is beyond the physical being. He needs food for the stomach, love for the heart and thoughts for the brain. Because man wants acceptance of his existence. He believed that perfection of body, mind, intellect and soul would come through respect, love, thoughts and God.

Presiding over the program, Vice Chancellor Professor Seema Singh said that Pandit Deen Dayal Upadhyay's Antyodaya and Integral Humanism should be implemented in our lives. Pandit Upadhyay always talked about promoting cottage industries. The present government is following the same and promoting cottage industries for self-reliance. Professor Singh said that Pandit Deendayal loved simplicity. If we follow his ideals, this will be the true tribute to him.

Before this, Assistant Acharya Niket Singh presented the welcome song and program coordinator Dr. Sanjay Kumar Singh, Director Pandit Deendayal Upadhyay Research Chair introduced the topic and welcomed the students. The program was conducted by Dr. Dinesh Kumar Singh, Organizing Secretary and Deputy Director, Pandit Deendayal Upadhyay Research Chair and the vote of thanks was given by Colonel Vinay Kumar, Registrar.

The program started with Kulgeet and garlanding the statues of Maa Saraswati and Pandit Deendayal Upadhyay and lighting the lamp. It was concluded with the national anthem. Teachers, research students and students of the university were present on this occasion.

अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति की सेवा से होगा अंत्योदय का सपना साकार : आशीष गौतम

मुविवि में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस का आयोजन

अमृत प्रभात, प्रयागराज (नि.सं.)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय एवं राष्ट्र उन्नयन विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी सह व्याख्यान का आयोजन सोमवार को मुक्त विश्वविद्यालय के तिलक सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता डॉ. आशीष गौतम, अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय का सपना तभी साकार होगा। जब समाज में सबसे निचले एवं अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति का सम्मान होगा। उन्होंने बताया कि दिव्य प्रेम सेवा मिशन विगत 27 वर्षो से कुष्ठ रोगियों की सेवा के उद्देश्य से कार्य कर रहा है। कुष्ठ रोगी समाज के अंतिम पायदान पर हैं। डॉ. गौतम ने कहा कि सभी के जीवन मे दैहिक, दैविक और भौतिक ताप होता है। हुनर युक्त लोग ही इस त्रिताप को दूर करके समाज की भलाई में अपना योगदान दे सकते हैं। डॉ. गौतम ने कहा कि पंडित उपाध्याय मानते थे कि मनुष्य भौतिक प्राणी से परे हैं। उसे पेट के लिए आहार, हृदय के लिए प्यार और मस्तिष्क के लिए विचार चाहिए। क्योंकि मनुष्य अपने होने की स्वीकृति चाहता है। उनका मानना था कि शरीर, मन, बुद्धि, आत्मा की पूर्णता सम्मान, प्रेम, विचार और परमात्मा से होगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि पण्डित दीन दयाल उपाध्याय के अंत्योदय एवं एकात्म मानववाद को अपने जीवन में उतारें। पंडित उपाध्याय ने हमेशा कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने की भी बात कही। वर्तमान सरकार उसी का अनुसरण कर रही है और स्वावलंबन के लिए कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दे रही है। प्रो. सिंह ने कहा कि पंडित दीनदयाल अत्यंत सादगी पसंद थे।उनके आदर्शो पर हम चलें, यही उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इसके पूर्व सहायक आचार्य निकेत सिंह ने स्वागत गीत तथा कार्यक्रम के संयोजक डॉ संजय कुमार सिंह, निदेशक पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने विषय प्रवर्तन एवम वाचिक स्वागत किया।

अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति की सेवा से होगा अंत्योदय का सपना साकार : आशीष गौतम

मुविवि में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस का आयोजन

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का अंत्योदय एवं राष्ट्र उन्नयन विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी सह- व्याख्यान का आयोजन सोमवार को मुक्त विश्वविद्यालय के तिलक सभागार में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवम मुख्य वक्ता डॉ आशीष गौतम, अध्यक्ष , दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय का सपना तभी साकार होगा जब समाज में सबसे निचले एवं अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति का सम्मान होगा। उन्होंने बताया कि दिव्य प्रेम सेवा मिशन विगत 27 वर्षों से कुष्ठ रोगियों की सेवा के उद्देश्य से कार्य कर रहा है। कुष्ठ रोगी समाज के अंतिम पायदान पर हैं।

डॉ गौतम ने कहा कि सभी के जीवन मे दैहिक,दैविक और भौतिक ताप होता है । हुनर युक्त लोग ही इस त्रिताप को दूर करके समाज की भलाई में अपना योगदान दे सकते हैं। डॉ गौतम ने कहा कि पंडित उपाध्याय जी मानते थे कि मनुष्य भौतिक प्राणी से परे है। उसे पेट के लिए आहार, हृदय के लिए प्यार और मस्तिष्क के लिए विचार चाहिए। क्योंकि मनुष्य अपने होने की स्वीकृति चाहता है। उनका मानना था कि शरीर, मन, बुद्धि, आत्मा की पूर्णता सम्मान, प्रेम, विचार और परमात्मा से होगी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि पण्डित दीन दयाल उपाध्याय के अंत्योदय एवं एकात्म मानववाद को अपने जीवन में उतारें । पंडित उपाध्याय ने हमेशा कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने की भी बात कही। वर्तमान सरकार उसी का अनुसरण कर रही है और स्वावलंबन के लिए कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दे रही है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि पंडित दीनदयाल अत्यंत सादगी पसंद थे।उनके आदर्शों पर हम चलें, यही उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी । इसके पूर्व सहायक आचार्य निकेत सिंह ने स्वागत गीत तथा कार्यक्रम के संयोजक डॉ संजय कुमार सिंह, निदेशक पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने विषय प्रवर्तन एवम वाचिक स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिनेश कुमार सिंह, आयोजन सचिव एवम उप निदेशक, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कर्नल विनय कुमार, कुलसचिव ने किया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ कुलगीत तथा मां सरस्वती एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन करके किया गया। समापन राष्ट्रगान से किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, शोध छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

मुविवि में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस का आयोजन

प्रयागराज (अनुराग दर्शन समाचार) । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय एवं राष्ट्र उन्नयन विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी सह- व्याख्यान का आयोजन सोमवार को मुक्त विश्वविद्यालय के तिलक सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवम मुख्य वक्ता डॉ आशीष गौतम, अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय का सपना तभी साकार होगा जब समाज में सबसे निचले एवं अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति का सम्मान होगा। उन्होंने बताया कि दिव्य प्रेम सेवा मिशन विगत 27 वर्षों से कुष्ठ रोगियों की सेवा के उद्देश्य से कार्य कर रहा है। कुष्ठ रोगी समाज के अंतिम पायदान पर हैं। डॉ गौतम ने कहा कि सभी के जीवन मे दैहिक,दैविक और भौतिक ताप होता है। हुनर युक्त लोग ही इस त्रिताप को दूर करके समाज की भलाई में अपना योगदान दे सकते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि पण्डित दीन दयाल उपाध्याय के अंत्योदय एवं एकात्म मानववाद को अपने जीवन में उतारें। पंडित उपाध्याय ने हमेशा कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने की भी बात कही। वर्तमान सरकार उसी का अनुसरण कर रही है और स्वावलंबन के लिए कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दे रही है इसके पूर्व सहायक आचार्य निकेत सिंह ने स्वागत गीत तथा कार्यक्रम के संयोजक डॉ संजय कुमार सिंह, निदेशक पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने विषय प्रवर्तन एवम वाचिक स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिनेश कुमार सिंह, आयोजन सचिव एवम उप निदेशक, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कर्नल विनय कुमार, कुलसचिव ने किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ कुलगीत तथा मां सरस्वती एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन करके किया गया। समापन राष्ट्रगान से किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, शोध छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति की सेवा से होगा अंत्योदय का सपना साकार – आशीष गौतम

प्रयागराज।। प्रयाग प्रभात न्यूज

प्रयागराज 12 फरवरी उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का अंत्योदय एवं राष्ट्र उन्नयन विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी सह– व्याख्यान का आयोजन सोमवार को मुक्त विश्वविद्यालय के तिलक सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवम मुख्य वक्ता डॉ आशीष गौतम, अध्यक्ष , दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार ने कहा

कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय का सपना तभी साकार होगा जब समाज में सबसे निचले एवं अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति का सम्मान होगा। उन्होंने बताया कि दिव्य प्रेम सेवा मिशन विगत 27 वर्षों से कुष्ठ रोगियों की सेवा के उद्देश्य से कार्य कर रहा है। कुष्ठ रोगी समाज के अंतिम पायदान पर हैं। डॉ गौतम ने कहा कि सभी के जीवन मे दैहिक,दैविक और भौतिक ताप होता है । हुनर युक्त लोग ही इस त्रिताप को दूर करके समाज की भलाई में अपना योगदान दे सकते हैं। डॉ गौतम ने कहा कि पंडित उपाध्याय जी मानते थे कि मनुष्य भौतिक प्राणी से परे है। उसे पेट के लिए आहार, हृदय के लिए प्यार और मस्तिष्क के लिए विचार चाहिए। क्योंकि मनुष्य अपने होने की स्वीकृति चाहता है। उनका मानना था कि शरीर, मन, बुद्धि, आत्मा की पूर्णता सम्मान, प्रेम, विचार और परमात्मा से होगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि पण्डित दीन दयाल उपाध्याय के अंत्योदय एवं एकात्म मानववाद को अपने जीवन में उतारें । पंडित उपाध्याय ने हमेशा कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने की भी बात कही। वर्तमान सरकार उसी का अनुसरण कर रही है और स्वावलंबन के लिए कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दे रही है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि पंडित दीनदयाल अत्यंत सादगी पसंद थे।उनके आदर्शो पर हम चलें, यही उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी । इसके पूर्व सहायक आचार्य निकेत सिंह ने स्वागत गीत तथा कार्यक्रम के संयोजक डॉ संजय कुमार सिंह, निदेशक पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने विषय प्रवर्तन एवम वाचिक स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिनेश कुमार सिंह, आयोजन सचिव एवम उप निदेशक, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कर्नल विनय कुमार, कुलसचिव ने किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ कुलगीत तथा मां सरस्वती एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन करके किया गया। समापन राष्ट्रगान से किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, शोध छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

मुविवि में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस का आयोजन

अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति की सेवा से होगा अंत्योदय का सपना साकार : आशीष गौतम

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय एवं राष्ट्र उन्नयन विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी सह- व्याख्यान का आयोजन सोमवार को मुक्त विश्वविद्यालय के तिलक सभागार में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवम मुख्य वक्ता डॉ आशीष गौतम, अध्यक्ष , दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय का सपना तभी साकार होगा जब समाज में सबसे निचले एवं अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति का सम्मान होगा। उन्होंने बताया कि दिव्य प्रेम सेवा मिशन विगत 27 वर्षों से कुष्ठ रोगियों की सेवा के उद्देश्य से कार्य कर रहा है। कुष्ठ रोगी समाज के अंतिम पायदान पर हैं।

डॉ गौतम ने कहा कि सभी के जीवन मे दैहिक,दैविक और भौतिक ताप होता है । हुनर युक्त लोग ही इस त्रिताप को दूर करके समाज की भलाई में अपना योगदान दे सकते हैं। डॉ गौतम ने कहा कि पंडित उपाध्याय मानते थे कि मनुष्य भौतिक प्राणी से परे है। उसे पेट के लिए आहार, हृदय के लिए प्यार और मस्तिष्क के लिए विचार चाहिए। क्योंकि मनुष्य अपने होने की स्वीकृति चाहता है। उनका मानना था कि शरीर, मन, बुद्धि, आत्मा की पूर्णता सम्मान, प्रेम, विचार और परमात्मा से होगी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि पण्डित दीन दयाल उपाध्याय के अंत्योदय एवं एकात्म मानववाद को अपने जीवन में उतारें । पंडित उपाध्याय ने हमेशा कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने की भी बात कही। वर्तमान सरकार उसी का अनुसरण कर रही है और स्वावलंबन के लिए कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दे रही है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि पंडित दीनदयाल अत्यंत सादगी पसंद थे।उनके आदर्शो पर हम चलें, यही उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी ।

इसके पूर्व सहायक आचार्य निकेत सिंह ने स्वागत गीत तथा कार्यक्रम के संयोजक डॉ संजय कुमार सिंह, निदेशक पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने विषय प्रवर्तन एवम वाचिक स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिनेश कुमार सिंह, आयोजन सचिव एवम उप निदेशक, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कर्नल विनय कुमार, कुलसचिव ने किया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ कुलगीत तथा मां सरस्वती एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन करके किया गया। समापन राष्ट्रगान से किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, शोध छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति की सेवा से होगा अंत्योदय का सपना साकार: आशीष गौतम

मुविवि में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस का आयोजन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का अंत्योदय एवं राष्ट्र उन्नयन विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी सह- व्याख्यान का आयोजन सोमवार को मुक्त विश्वविद्यालय के तिलक सभागार में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवम मुख्य वक्ता डॉ आशीष गौतम, अध्यक्ष , दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय का सपना तभी साकार होगा जब समाज में सबसे निचले एवं अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति का सम्मान होगा। उन्होंने बताया कि दिव्य प्रेम सेवा मिशन विगत 27 वर्षों से कुष्ठ रोगियों की सेवा के उद्देश्य से कार्य कर रहा है। कुष्ठ रोगी समाज के अंतिम पायदान पर हैं। डॉ गौतम ने कहा कि सभी के जीवन मे दैहिक,दैविक और भौतिक ताप होता है । हुनर युक्त लोग ही इस त्रिताप को दूर करके समाज की भलाई में अपना योगदान दे सकते हैं। डॉ गौतम ने कहा कि पंडित उपाध्याय जी मानते थे कि मनुष्य भौतिक प्राणी से परे है। उसे पेट के लिए आहार, हृदय के लिए प्यार और मस्तिष्क के लिए विचार चाहिए। क्योंकि मनुष्य अपने होने की स्वीकृति चाहता है। उनका मानना था कि शरीर, मन, बुद्धि, आत्मा की पूर्णता सम्मान, प्रेम, विचार और परमात्मा से होगी।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि पण्डित दीन दयाल उपाध्याय के अंत्योदय एवं एकात्म मानववाद को अपने जीवन में उतारें । पंडित उपाध्याय ने हमेशा कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने की भी बात कही। वर्तमान सरकार उसी का अनुसरण कर रही है और स्वावलंबन के लिए कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दे रही है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि पंडित दीनदयाल अत्यंत सादगी पसंद थे।उनके आदर्शों पर हम चलें, यही उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी । इसके पूर्व सहायक आचार्य निकेत सिंह ने स्वागत गीत तथा कार्यक्रम के संयोजक डॉ संजय कुमार सिंह, निदेशक पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने विषय प्रवर्तन एवम वाचिक स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिनेश कुमार सिंह, आयोजन सचिव एवम उप निदेशक, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कर्नल विनय कुमार, कुलसचिव ने किया।कार्यक्रम का शुभारम्भ कुलगीत तथा मां सरस्वती एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन करके किया गया। समापन राष्ट्रगान से किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, शोध छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति की सेवा से होगा अंत्योदय का सपना साकारः आशीष गौतम

मुविवि में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस का आयोजन

उजाला शिखर संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का अंत्योदय एवं राष्ट्र उनन्यन विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी सह- व्याख्यान का आयोजन सोमवार को मुक्त विश्वविद्यालय के तिलक सभागार में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवम मुख्य वक्ता डॉ आशीष गौतम, अध्यक्ष , दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय का सपना तभी साकार होगा जब समाज में सबसे निचले एवं अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति का सम्मान होगा। उन्होंने बताया कि दिव्य प्रेम सेवा मिशन विगत 27 वर्षों से कुष्ठ रोगियों की सेवा के उद्देश्य से कार्य कर रहा है। कुष्ठ रोगी समाज के अंतिम पायदान पर हैं।

डॉ गौतम ने कहा कि सभी के जीवन मे दैहिक,दैविक और भौतिक ताप होता है । हुनर युक्त लोग ही इस त्रिताप को दूर करके समाज की भलाई में अपना योगदान दे सकते हैं। डॉ गौतम ने कहा कि पंडित उपाध्याय जी मानते थे कि मनुष्य भौतिक प्राणी से परे है। उसे पेट के लिए आहार, हृदय के लिए प्यार और मस्तिष्क के लिए विचार चाहिए। क्योंकि मनुष्य अपने होने की स्वीकृति चाहता है। उनका मानना था कि शरीर, मन, बुद्धि, आत्मा की पूर्णता सम्मान, प्रेम, विचार और परमात्मा से होगी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि पण्डित दीन दयाल उपाध्याय के अंत्योदय एवं एकात्म मानववाद को अपने जीवन में उतारें । पंडित उपाध्याय ने हमेशा कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने की भी बात कही। वर्तमान सरकार उसी का अनुसरण कर रही है और स्वावलंबन के लिए कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दे रही है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि पंडित दीनदयाल अत्यंत सादगी पसंद थे।उनके आदशी पर हम चलें, यही उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी ।

मुविवि में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस का आयोजन

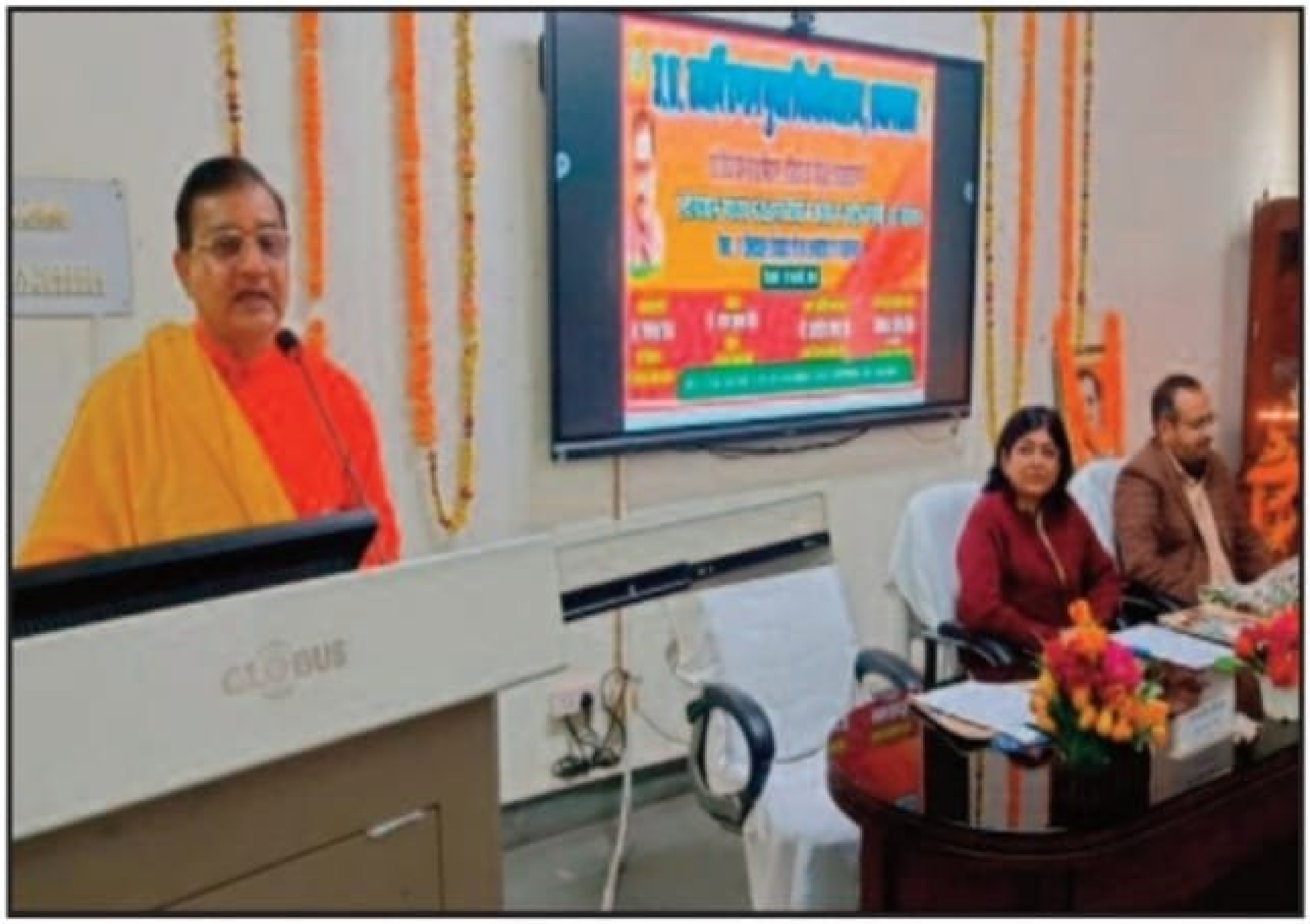

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय एवं राष्ट्र उन्नयन विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी सह- व्याख्यान का आयोजन सोमवार को मुक्त विश्वविद्यालय के तिलक सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवम मुख्य वक्ता डॉ आशीष गौतम, अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय का सपना तभी साकार होगा जब समाज में सबसे निचले एवं अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति का सम्मान होगा। उन्होंने बताया कि दिव्य प्रेम सेवा मिशन विगत 27 वर्षो से कुष्ठ रोगियों की सेवा के उद्देश्य से कार्य कर रहा है। कुष्ठ रोगी समाज के अंतिम पायदान पर हैं।

डॉ गौतम ने कहा कि सभी के जीवन मे दैहिक,दैविक और भौतिक ताप होता है। हुनर युक्त लोग ही इस त्रिताप को दूर करके समाज की भलाई में अपना योगदान दे सकते हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि पण्डित दीन दयाल उपाध्याय के अंत्योदय एवं एकात्म मानववाद को अपने जीवन में उतारें। पंडित उपाध्याय ने हमेशा कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने की भी बात कही। वर्तमान सरकार उसी का अनुसरण कर रही है और स्वावलंबन के लिए कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दे रही है।

इसके पूर्व सहायक आचार्य निकेत सिंह ने स्वागत गीत तथा कार्यक्रम के संयोजक डॉ संजय कुमार सिंह, निदेशक पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने विषय प्रवर्तन एवम वाचिक स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिनेश कुमार सिंह, आयोजन सचिव एवम उप निदेशक, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कर्नल विनय कुमार, कुलसचिव ने किया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ कुलगीत तथा मां सरस्वती एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन करके किया गया। समापन राष्ट्रगान से किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, शोध छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति की सेवा से होगा सपना साकार

प्रयागराज। अमृत विचार : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय एवं राष्ट्र उन्नयन विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी सह- व्याख्यान का आयोजन सोमवार को तिलक सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के अध्यक्ष डॉ. आशीष गौतम ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय का सपना तभी साकार होगा जब समाज में सबसे निचले एवं अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति का सम्मान होगा। उन्होंने बताया कि दिव्य प्रेम सेवा मिशन विगत 27 वर्षों से कुष्ठ रोगियों की सेवा के उद्देश्य से कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि सभी के जीवन मे दैहिक, दैविक और भौतिक ताप होता है। हुनर युक्त लोग ही इस त्रिताप को दूर करके समाज की भलाई में अपना योगदान दे सकते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि पण्डित दीन दयाल उपाध्याय के अंत्योदय एवं एकात्म मानववाद को अपने जीवन में उतारें। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि पंडित दीनदयाल अत्यंत सादगी पसंद थे। इसके पूर्व सहायक आचार्य निकेत सिंह ने स्वागत गीत तथा कार्यक्रम संयोजक डॉ संजय कुमार सिंह, निदेशक पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने विषय प्रवर्तन एवम वाचिक स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिनेश कुमार सिंह, आयोजन सचिव एवम उप निदेशक, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कर्नल विनय कुमार, कुलसचिव ने किया। समापन राष्ट्रगान से किया गया।

अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति की सेवा से होगा अंत्योदय का सपना साकार: आशीष

मुविवि में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस का आयोजन

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय एवं राष्ट्र उन्नयन विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी सह-व्याख्यान का आयोजन सोमवार को मुक्त विश्वविद्यालय के तिलक सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवम मुख्य वक्ता डॉ आशीष गौतम, अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय का सपना तभी साकार होगा जब समाज में सबसे निचले एवं अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति का सम्मान होगा। उन्होंने बताया कि दिव्य प्रेम सेवा मिशन विगत 27 वर्षो से कुष्ठ रोगियों की सेवा के उद्देश्य से कार्य कर रहा है। कुष्ठ रोगी समाज के अंतिम पायदान पर हैं। डॉ गौतम ने कहा कि सभी के जीवन मे दैहिक,दैविक और भौतिक ताप होता है। हुनर युक्त लोग ही इस त्रिताप को दूर करके समाज की भलाई में अपना योगदान दे सकते हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि पण्डित दीन दयाल उपाध्याय के अंत्योदय एवं एकात्म मानववाद को अपने जीवन में उतारें। पंडित उपाध्याय ने हमेशा कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने की भी बात कही। वर्तमान सरकार उसी का अनुसरण कर रही है और स्वावलंबन के लिए कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दे रही है।

अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति की सेवा से होगा अंत्योदय का सपना साकारः आशीष गौतम

मुविवि में पं0 दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस का आयोजन

पावन प्रयाग संवाददाता

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का अंत्योदय एवं राष्ट्र उन्नयन विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी सह- व्याख्यान का आयोजन सोमवार को मुक्त विश्वविद्यालय के तिलक सभागार में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवम मुख्य वक्ता डॉ आशीष गौतम, अध्यक्ष , दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय का सपना तभी साकार होगा जब समाज में सबसे निचले एवं अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति का सम्मान होगा। उन्होंने बताया कि दिव्य प्रेम सेवा मिशन विगत 27 वर्षों से कुष्ठ रोगियों की सेवा के उद्देश्य से कार्य कर रहा है। कुष्ठ रोगी समाज के अंतिम पायदान पर हैं। डॉ गौतम ने कहा कि सभी के जीवन मे दैहिक,दैविक और भौतिक ताप होता है । हुनर युक्त लोग ही इस त्रिताप को दूर करके समाज की भलाई में अपना योगदान दे सकते हैं। डॉ गौतम ने कहा कि पंडित उपाध्याय जी मानते थे कि मनुष्य भौतिक प्राणी से परे है। उसे पेट के लिए आहार, हृदय के लिए प्यार और मस्तिष्क के लिए विचार चाहिए। क्योंकि मनुष्य अपने होने की स्वीकृति चाहता है। उनका मानना था कि शरीर, मन, बुद्धि, आत्मा की पूर्णता सम्मान, प्रेम, विचार और परमात्मा से होगी।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि पण्डित दीन दयाल उपाध्याय के अंत्योदय एवं एकात्म मानववाद को अपने जीवन में उतारें । पंडित उपाध्याय ने हमेशा कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने की भी बात कही। वर्तमान सरकार उसी का अनुसरण कर रही हैं और स्वावलंबन के लिए कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दे रही है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि पंडित दीनदयाल अत्यंत सादगी पसंद थे।उनके आदर्शो पर हम चलें, यही उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी । इसके पूर्व सहायक आचार्य निकेत सिंह ने स्वागत गीत तथा कार्यक्रम के संयोजक डॉ संजय कुमार सिंह, निदेशक पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने विषय प्रवर्तन एवम वाचिक स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिनेश कुमार सिंह, आयोजन सचिव एवम उप निदेशक, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कर्नल विनय कुमार, कुलसचिव ने किया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ कुलगीत तथा मां सरस्वती एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन करके किया गया। समापन राष्ट्रगान से किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, शोध छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।